

सौराष्ट्र-तमलि संगमम

सौराष्ट्र-तमलि संगमम (Saurashtra-Tamil Sangamam) में लगभग 3,000 लोगों के भाग लेने की उम्मीद है। इस महोत्सव का उद्देश्य गुजरात और तमलिनाडु के दो तटीय राज्यों के बीच 'पुराने संबंधों' और सांस्कृतिक संबंधों को प्रदर्शित करना है।

- सौराष्ट्र-तमलि संगमम, [काशी-तमलि संगमम](#) के समान है।

सौराष्ट्र-तमलि संगमम:

- पृष्ठभूमि:
 - सदयों पहले यानी 600-1000 वर्ष के बीच आक्रमणों ने कई लोगों को गुजरात में सौराष्ट्र से पलायन करने और मदुरै के आसपास के तमलिनाडु के ज़िलों में नई बस्तियाँ स्थापित करने के लिये मजबूर किया, जिसे अब तमलि सौराष्ट्रियन के रूप में जाना जाता है।
 - गुजराती मूल के लोग तमलिनाडु में वभिन्न स्थानों जैसे- तरुचि, तंजावुर, कुंभकोणम और सलेम में बस गए हैं, जिससे गुजरात और तमलिनाडु के बीच सांस्कृतिक संबंध मज़बूत हुए हैं।
- महोत्सव की मुख्य वशिषताएँ:
 - इस महोत्सव का उद्देश्य भारत की सांस्कृतिक विविधता और ताकत को उजागर करना तथा लोगों को तीर्थस्थलों एवं [सांस्कृतिक वरिसत](#) के साथ फरि से जोड़ना है।
 - यह महोत्सव गुजरात में सोमनाथ, द्वारका और केवडिया में [स्टैच्यू ऑफ यूनिटी](#) जैसे कई स्थानों पर आयोजित होगा।



- लोगो का महत्त्व:
 - यह तमलि-सौराष्ट्र के लोगों की रेशमी कपड़े की वशिषज्ञता और गुजरात के कपड़ा उद्योग के वलिय को दर्शाता है।
 - दो संस्कृतियों के संगम को सोमनाथ मंदिर, सौराष्ट्रियों की उत्पत्ता के स्थान और मदुरै के पास [मीनाकषी मंदिर](#), जहाँ वे बसे थे, के

माध्यम से दर्शाया गया है।

- डांडिया (गुजरात) और भरतनाट्यम (तमलिनाडु) के साथ नृत्य मुद्रा में एक युवती दो कला रूपों के संगम का प्रतीक है।
- ऊपरी तीन रंग 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के संदेश को दर्शाता है, जबकि नीचे का नीला रंग दो राज्यों के समुद्र के साथ मलिन का प्रतीक है।

संगम का महत्त्व:

- **सांस्कृतिक सुरक्षा:** यह सुरक्षा के अन्य रूपों की तरह ही महत्त्वपूर्ण है जैसे- सीमा सुरक्षा, आर्थिक सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और साइबर सुरक्षा।
 - संगम के माध्यम से सांस्कृतिक संबंधों और वरिष्ठता की रक्षा कर एक राष्ट्र की पहचान को बनाए रखने के लिये आवश्यक है और इसने भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान को देखा है।
- **सामुदायिक भवन और सामाजिक सामंजस्य:** संगम समुदाय को एक साथ आने, सामाजिक और सामुदायिक भावना का निर्माण करने के लिये एक मंच के रूप में कार्य करता है।
 - यह विभिन्न कक्षेत्रों के लोगों के मध्य एकता और घनषिठता की भावना को बढ़ावा देने के साथ ही आपसी सम्मान, समझ एवं सद्भाव को भी बढ़ावा देता है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत:

- **परिचय:** इसे वर्ष 2015 में विभिन्न राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के लोगों के बीच जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिये लॉन्च किया गया था ताकि विभिन्न संस्कृतियों के लोगों में आपसी समझ और बंधन को बढ़ाया जा सके, जिससे भारत की एकता व अखंडता मज़बूत होगी।
- **संबद्ध मंत्रालय:** यह शक्ति मंत्रालय की एक पहल है।
- **योजना के तहत गतिविधियाँ:** देश के प्रत्येक राज्य और केंद्रशासित प्रदेश को एक समयावधि के लिये दूसरे राज्य/केंद्रशासित प्रदेश के साथ जुड़ने का अवसर मिला, जिसके दौरान वे भाषा, साहित्य, व्यंजन, त्योहारों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पर्यटन आदि कक्षेत्रों में एक-दूसरे के साथ विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।

स्रोत: द द्रि

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/saurashtra-tamil-sangamam>

